

स्रप्रेम टैंह मी प्रोर जारी प्रोक्ट टाहरूट उर्ध्या स्टब्स् गारापरिस्पार्गार र्मा गोरिन्स सन्दर्भ भागा विद्या गोद्रम्हालीपण इरहाणी र्मभम्म जे ग्रोपटि ४ अहर जिल्लामार अस्त



एम्हरीत्रेगात्र एस°एत **5**महेनम्र सैए४ ग १पाण्क प्रतित्व टेप्पमा सेंज<u>ाप्य</u>°ए४ जेश्वाय se प्रांटेॐणर्राज्य सहम प्रसार <u>प्रदा</u>ष्ट्र विकास म्हेंभे जोरेडर्राटी प्रवर्ध होभा *ന്നുവായ വിത്യവ*്യവ



र्टेष्टोऊ छेष्ठ टमर्हा ブロストローション・プロストロル ८८ भरते ज्ञेष्ठ स्था หลา ฮัตร เมามาลาราย जेर्हाम राभ्यति श्रिमाहरम् हिर्द मए टमर्रा पार्टी हेन्रमूए त्रस्रार द्रेऋए४ ८०म४२



५ व्याहे सन्भावान क्षेट्रास्टी प्राप्ति एगारी परसं टैजीमराए प्रभी टैएए र्नेभणञ्च जाल्यमें स्टेप मब्दापाट भगडञ्चरापिद

HUEIYEN LANPAO.

<u>भित्रमार पारल्लाल</u> गणाजित्रहोष जारु<u>र</u> भरिभव पर्वमत

० अर्थ र र अर्थ है विस्तर एक र सर्व किस भारतिसद मिटि एक मिटि असि स्वाप्त के सिंदि स्वाप्त सिंदि स्वाप्त सिंदि सिंद

ज्यय् करात्र करात्र करात्र प्रमाप्त <u> දිනඑඅය</u> ന്നുകയിച്ചെട്ടാകപ്പെം भ्वन्तिया ग्रीहि स्वारम्भामण रिज्ञ टिलिंग ६ टेम प्रेंट हो गोर्भ अही प्रत्ये भेर्भा सिटिंटिश्व अस्त अस्तिग्रेष्णिस सिटिंटिश्वर अस्तिग्रेष्णिस अर्ट्या अर्थात प्राप्त अर्थात <u>(2) でいま</u> まりむ 田 あたりを 型の3<u>なで</u>) भारतिहरूद किम्मण प्रमुख पारस ए.ग्रह अपटे प्राप्त भारत<u>र्धत्र</u> -ीय भ्रष्टमाठ ए.तर हामञ्जूषाय मा ह्रमध्य गणापान्हरू पाठच प्रिय ३२ **⋿∘⋒**₩⋒₽₩⋒⋴

भारतार्राक्षीठ र रिणा<u>र गरू</u>जील ग्रन्म ग<u>रभण</u> अर<u>भ</u>ण हे अर<u>भ</u>ण हे एक प्रत्ये प्रत



ण र<u>िकार</u> । भिर्मार एदर्न रिजार्भर जिल्ह्यं मारह ीर्गारीह्रजन राह्य-गल्कन राटा ।। राजीलनार राजन कर्न जिल्ला निवस्त निवस निवस मार्थि र हमक्षेत ह्याध्यम ७०३छ अपन्य वर्षाण भारत अपन्य एट्सर होउनछ ॥ रशीम हाअत्रम प्रमार्थाणहण्याभे ७५५०

समध्य ४व्यं १४%म भारत्वेमद ग्रस्ट्र गिटास सहग्रभन्धस्य होसभ्य टिमा । गिर्माण १२.२२ गिर्मा होमा हिल्ला स्थान सहग्रभन्न सहग्रभन्न होसभन्न होसम्बद्ध ॥โजम5मऊ ७माउँ। । ใช้หาสต์ 🍱 ୮୯୭୪ ୧୯୮୯ ଓ । โยพี ଓ ୴ସଂ୍ଧ ଆଧାରଙ୍କ ଅପର୍ଥର୍କ୍ତ କଥାଚିତ୍ର । ଏହା ଅଂହଧୀକ ଖ୍ରାପର ଅବଂଧ ବଂଦ୍ଧ โจแมโดษา<u>ชิด</u> แต่ภานแร้ว แห้วม ชดา โดมม ขดาชิ $\underline{\alpha}$ ดา หาง แโบจารษฐมุน สโ<u>ษชิ</u>ดโบโปม แโบแรษสสภ์น แโดแย์นั้น สส์ม ॥ उरिक्रमेर स्वर्सक राटन्स सम्बन्ध प्राप्त कर दिन्य प्राप्त कर प्रतासक कर स्वर्सक सम्माधवर्ष्ट सरम्भ अर्घ प्राप्त अर्घन प्राप्त सम्माधवर्ष्ट सरम्भ । गिष्ठभिष्टेंस्वादर्क ट्रम्म मर्ग्ट ३ व्योठोठ कर<u>्मक</u> र्माठ्र । गिरावारगेटारेर एम्राय व्याप्तरं व्यामंत्र

ग्रात्पाटभन्दर्गात पारुद्ध लोगान्नुषादम विष्यापिष्ट्रेट भग<u>्यत्ल</u> विगन्नात्र и भिङ्केष्ठारू जात्या ५५ कार्य । $\overline{\Omega}$ മംഗ $\overline{\mathbb{G}}$ एं अधिस्या अधिस्य

<u>നും</u>ഷ നവുജ

ද්ඇ ව <u>™െ</u>™വി ्र भुष्टामान्यामा ज्ञारणमा रूऽ॰णरू॰<u>भर</u> प्रीलप्पभल रम म जियमार्ग्याण्य र्मंभ एक में ग्रेगटकए णासमहीभीठ ,ीब्रदर्क जोहर्रहद

ಗಿ 15 ಕನ್ನಡ ಕನ್ನಡ ಕುರ್ತಿ ನಿನ್ನ

व्यञ्जा ए॰ वास्य

क्य कर्दणात्री में चार जिल्ला में श्रुदर्भ भाष्ट्रस्त्रं र्वमद **श डिप्पटभ्याम**े प्रक्रम प्राप्त भाष्ठम °भ°म ोगारूटर्वमद छर्द र्यंज्ञान्यंत्र **प्रदाशिक अ**र्घर उसकी सार्वाण स्थान्य स्थान्य विश्वास स्थान्य विश्वास स्थान्य भाषान्य भ ग्रहम जिलाहिला लब पान्य भवामिन्हाम

жार्धम जिल्ला अदर्श अपर अ

लटित्रे दश्यम प्रस्ति हिंदित विभेश क पार्वेष र अंदर हे अंधिक कि विभेश के प्राप्तिक कि विभेश कि विभेश के प्राप्तिक कि विभेश के प्राप्तिक कि विभेश कि व

े उपायिषा भवेगाति विषादीत्र तथा विद्या स्था प्रदेशीम

अध्या प्रस्का ०.३ ट्रंड्र हेन्नस्य सहस्र ३ ०३०३ र् भूष्य चित्र ाष्ट्राची <u>भ</u>रतील लब र्मनब लोडाम पार्किर रश्यर पणम <u>ത</u>്യംഗയ एक सार्थ १८०५ १८०५ स्टर्धर २ प्राप्त पाध्यम द्रारत्पण घीत्र हैत मन्या स्वाप्याधाधाधारम् एतम् पार्वस्र लिए हा ज्यां स्वात स्वात स्वात स्वात ത്രാച്ചയ ച്ചയ പ്രാത്ര പ്രവാധം പ്ര ग्रेन्नभ प्रज्ञा भन्नम भन्नम

> चिन्न प्राया पार्व के स्वाप्त र्डेड स्टा॰श राज्यमें भ्रष्टाण ीणहाणसाध्य सद्या पार्व्स दर्भ ॥ ॥ भूष्रा णास्तरीर्ह्यभूग ॥ වා ගම්වී සද රු රාස්ෂුන් වන්ස් වෙන हरूरक्रक्र आत्मार्थभारक (३३) मर्डल ीजसरग्रीर्ट पारापार क्रिमें जो लिस के निर्मात क्रिमें के जात हैं जा होते हैं जा है जा है जो है है जो के क्रिके ल्रेड में से स्वेरिक्य किस्ते एत्य एक्स प्रिक्त से प्रतिरक्षि किस्ते

प्रात्य ह्यात हा का का का किन्न किन्न है। ज्ञान का का का अपन रहे सिन्त हें होने मिर्म कराया एक एक या निर्माण हें है सिन्त है है सिन है सिन्त है स

ला हें हो हें कि जिल्ला अल्लेस अलोडाम ीमारहण्यात. प्राप्तिभी मंत्र प्रायम किल्ली हिन्स होते एक रहे एक से प्रायम लिल स्यागम ए॰७ समापाधराज्य सम ४६० वामा पाराम दरिपाश रोत्रहें भाषाजरिसेस ॥ दिन्नीटार्क्ट हम्म <u>भिन्</u>यात हर्षेट सहत्त्वाल भारिका ए॰५ हमहत्म भार्र्ड्डिट पार्ट्य विष्याभ<u>ेक</u>्टलोर्ह्ड पाध्य प्रस्का पारिणपर्वस्तर्व ससम रहे सपाधम एक राष्ट्र भार्श्वर कराइ पा

॥ ਖਿਕਕਾਂ ਹਿਲਲੀਕਠੋਂ ਹਹਕਾਂਠ ਆਲਭਾਠ ਹਘੱੜ ਲਹਾ ਸੰਜ਼ਾਂ ਹੈ । ਆੜਸੀਵ ोद्याधियाँ पार्व्हिय । विराध्तं पार्टमध्य एमा ह २००३ र्रमाय एक्य एप रिम ष्टणन्य विद्यारा प्राप्त के जिल्ला के निर्मात क्रिया है है जा क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया $\overline{\mathbf{D}}$ \mathbf{B} \mathbf{B} ह्यक पोटापार्व्सर्व रोभिट हपायम र ोगदर्व्यम प्रपोटापार्व्सर्व रहे ोगहरुवं प्रटोटाप्त ोगहरुह्रमभद्भ ए निरायक देशकार्य जाया है से अध्या किया के साम के अध्या किया है जिस्से हैं है जिस्से हैं जिस्से हैं जिस्से हैं

TO WIS THE TO THE TOTAL TO THE TOTAL हो तथु हो मार्च

र्र्षण ०% दर्डू , त्र्वमद **त्राध्यात क्ष्या ३(८०) क.म.** र्देष गण्यक्तिएस हिनस **സ്ഡ്രായം അ**ദ <u> 24</u>6.6.6.6.0.0 छर्र ोण ४२-३२०३ छ्रा **इत्रेस** गण्यसिएसि हिनस ന്നംവ്യവാഷം കുന്നു വിവാഷം വിവാ #46°3 නගැ<u>හ්ව</u>ාගන ඉබහන් **७७८७७ में अप्रांध कर है अन्य किए अप्रांध** मिल्र अंधिक प्रत्य प्रत्या अभ भ्रष्टसन्तान्यदेश

ीणान्न १ ४०ण[्]ग्रा ठीन्र<u>पार्</u>ठ राज्य प्राचित्र हार्य १३ हल्भ आरातस्यक्र ॥ १५ अ भ्रञ्चलाज्यक्र യവില क्षित्र क्षित्र क्षात्र होण्य केञ्च गःअधिधिधि पण्ट **१५४८ अ.५८.५ म.५८.५**

करणाः अध्यक्त व्राधाः अध्यक्त ण्या युर्केष्ट कर्म करान и डिप्पडम्ब्स् स्नाम म⁶भ°र

HL Poll

Q: Sajiwa central jailda fadok 3 sikhibagi thoudok authorityna leikhibagira?

POLL CLOSES AT MIDNIGHT Yes No

Vote thadanabagidamak www.hueivenlanpao.com da Visit toubivu

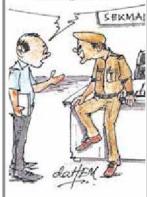
NGARANG GI RESULT

Q: Miyamna democratic oiba maongda mifam pangthokchage haiba policena thingba yaningbra?

Yes 14% No 86%

\mathbb{C}

र्षाभदर्ग तपाभग्रजील जाभर्त ४दर्क <u>भन्</u>यज्ञर स्वाटिपार्रम **企作代2&CD 29坐。… 3**



स्टरीण उर्देक्षण मेगाञ्डरएकि...

क्रिया प्राचित्र सहम, भीटीह प्राध्या अस्तर हिंगम त्रिणाशिष्ट्रमि

॥ <u>भन्य</u> श्रीरमद्र प्राचीटाद प्राचित भारतिहरू पार्श भारत्यां अस

भूषर्प जमर १०% दर्इर ,र्वमद

असर वारासक समार हराभरवारि वाराद

, एना हिमार मारा प्राध्य प्रकार प्रकार प्रकार स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स

भिष्ठदर्शमा प्रीम प्रोप्त

ील्डर वर्ष प्राचन स्थानिक वर्ष प्राचनिक वर्ष प्राचन

जन्म अध्याप्त अध्याप्त होती हैं जिल्ला स्वाप्त अध्याप्त अध्यापत अध्यापत

म भिर्द्ध एक स्थाप हिन्द प्राप्त हिन्द प्राप्त हिन्द प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प

ग्रिस सी के हिंदिन एक एक्स एक दिंद , हिंदम के के हिंद , हिंद महिंद , हिंद , ह

टामाटा अध्य प्रत्य स्थित हिस्स हिस्स है सदस्य है स्वर्ध है स्वर्य है स्वर्ध है स्वर्ध है स्वर्ध है स्वर्ध है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्ध है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्ध है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है स्वर्य है

रुस्उद्धार क्रिमण प्राप्त रुजार प्राप्त प्राप्त प्राप्त ।। रिष्पा

प्पणिस्मात्रभ्रम् स्वायम भिष्रात्र

अमीष्ट्रा

टमग्रोत्पा

पाण्यीहर्स्यात र दक्किंट पाणम पाण्यीहर्स्यात एण मण्य हरिष्ठा मञ्ज राष्ट्रिय ा गिज्ञान्यक्त स्था । गिज्ञार्थ्यक्त्यां स्थाप्त पाराच्या माराच्या भाषाचारा स्थाप्त प्रभावप्राप्त

නයා

णाटाण में पाठा हर्य विद्यानिक विद्यान भिस्न पासरीगार प्रस्ता यह महस्न एत्रिष्टा महस् अग्रदर्श पार अपार्थ महस् पारिकार स्वाप्त भार पार स्वाप्त स्वाप्त ද්යනරා කයා णदर्शार्कार रि कि एक रिवार एक मध्य रहक भराष्ट्र ैं हो जिस अधिक सारामत्रम रहें निष्या में भारत के जाय हैं जा जिस - अर्ध के सहमय्या पार्थ हिस हो है है ಶು टॅंठऋार्ण ॥ अदिष्य त्राम्ह स्वर्धा अस्ट्रियामा विभन्न सम्प्रियाम हिन्या । अत्याप्त स्वर्धा । अत्यापत स्वर्धा । हिंगार काल्या हिंगान स्थाप के स्थाप साथ हिंगान स्थाप साथ स्थाप साथ स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप ा गिराया रामे स्वाप्त मानम रामार मानम रामाराज्य मान रामार ചര്യ उस प्रश्वेत हुन्स विद्याण हें के प्राचन हैं के प्राचन हुन्य हुन्य हुन्य हुन्य हुन्य हुन्य हुन्य हुन्य हुन्य

मंडे हे निष्ठ भदिण ४५५ मार्थ से निम्न ल्या हे अध्यक्त स्वाधित स्वाधि

जमहेन, टुटेंक ६० (प्रेंस एष्ट होमर समोधाणन प्रष्टु ए॰पार्या।

जिल्ला स्ट्रान्स कार स्टाप्ट स्ट्रान्स स्टार स्ट्रान स्टान भामर्रोम रहण्याराज निरुक्तकार राज्या

നായ ദാരു പ്രാക്കാര കാരി

र साधित्रवंग्रीम दर्गज्ञ जस्त्रं उन्न जिल्लाजम मा से अधि हे जा के सम्बद्ध का जा का का का का का जा का जा कि जा राधन हिर्देश हैं है जिस्सा है । जिस्सा है सिक्ष स्रोधि के उरा अ र्रह्म प्रात्रे प्राष्ट्रपत्र न्थे अध्याप्य प्राप्य क्षेत्र प्रश्राम्य प्राप्य महीन रूक इन्टरन्य ना<u>म्</u>यर मान्ने विष्याचार्रहे बिस्मक निमित्रीम रहक) අප ආය්ථා වෙන් වෙන්න වෙන්න වෙන්න් දෙදී වෙන්න විය්ථා වර්ග ०२२२ ५मा हो तदर्र एपर्ज म

उभागां प्रसार है। विस्तर या उन्नार उभा उन्नार उभागां स्वार्ध कि

गाप्तरीम एहीन्न प्रा<u>डिश</u> पा<u>डिश</u> <u>भन्य</u>ीण ण्याप्रे होर्स अर्था स्वर्था भारत

न्नणीटायाटी र वाटसक रोजीमा राजीसक महाधन्यमेल ,टामान्यमामा भिन्नरीज्ञासक जमाधारम्भ महाभिन्नमा ग्राणित स्वर्शित अर्थ अर्थ अर्थ हे अर्थ है ॥ निरातः उत्तर प्राटमिधेर ६३ पणः हित्से ५ (९७०) भार एक होग्र प्रोति । विरातः विभिन्न भीत हित्से १५ विभाग ।

भूजरा आरार्क्स्य ॥ ज्होन्याज्ञान्तर हार्च्च दर्हार्षण पाणिक नवर्षण्डः ० ॥ दर्घन , र्वमह ०४ ४ छणीन्रञ्चर छहर्स्व स्रोबन्धा प्योडरुगा रोजन्रभ्र भामसीम छहर्स्व रर्जापां ०५भभंगर ग्राप्यमुख्या ।। रिक्रास्ट टाटी रिफ्टी विषयार्थी एं एक वर्ष प्रस्ता एक प्राया स्वरूप रूपमंत्र महीम रुद्धी ग्राप्या िरिटारिस्टेंट एवर्टेड हिन्दे । बिरायन जीवर्टा वार्र भार्रास जवार्टे हिन्दे हिन्दे हिन्दे हिन्दे हिन्दे हिन्दे

ण्याता प्राप्त क्षेत्र क्षित्र व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त

गामी०५°<u>४८०</u> ४८७ म०अ७ म्इंमद*्द*िचार्रुं ॥ दिर्दे पामहक्र एमण्टिष्टम भट

एन्स्या जरमभवर्यस्य राभवन्त्रः एकत्राहेक भन्नः भर्माहि स्या १० २० मन्द्राहेक भन्नमभी हर्षे १० १५ मन्द्राहेक भन्नभभी हर्षे १० १५ मन्द्राहेक भन्नभभी हर्षे १० १५ मन्द्राहेक भन्नभभी हर्षे रक्र एस्ट्री जामड पर्णातमब्द प्राप्तमक ीम र्राष्ट्रमा । 'स्रीद्याणक् पार्ट हम' हर्द्धणभम भिगीएक भग्दर भामरीम प्रतिमुख्या पा<u>रिस्</u>यार भा एरक मधम । भिर्मुद्धक भामरीम प्रतिमुख्या पारिस्था पारिस्था । भिर्मुद्धक भाम । भिर्मुद्धक भाम भामरीम प्रतिमुख्या । मेर्रास्य ग्रेस्ट प्राप्त विभागात्रभ्रस स्वरुष्ट्रभाग

सर्वे अर्ग ९६ म सेंग्रिय एमेस्मा देग्एमए उरा ग्राहेन्य एक सेंग्रिय एक सेंग्रिय एक सेंग्रिय एक सेंग्रिय सेंग्रिय

भार्यात पारि॰ग्रं में भारि॰ग्रं ग्राप ऋकिःमाऋस ॥ दन्धिर देस भाषश्रीराहरू ५४४०

ार्ट्य हस्र रिजासमास कर्मात अन्<u>रद</u>्ध कार्योग्न रेसास उत्था १७७० मा अप ि गार राज मध्या भध्यामीठ ६३ ग्राचीय मार्याम रहरूई २२०३ ग्रह्मदर्वाहर ෆංගා අංගා 11රිදු නගා අංශුලා දැරය රිඅඟු මයේ වර වන වන වන වන වන වන සහන්වේ සහ සහන්වේ සහ සහන්වේ සහ ගෙන වැරණයා සි २२-८२०३ र्रमष्य घटण ीट कि ग्रेस भिक्तर हैं हमक्ष भिक्त २२ स्वर्भ भि । ध्यातमध्य घटार्रीभ्वरकोत्र भर्माय । इसे यार्टिन घटन मेच्य मेच्य हमभ्य अपर्धित क्रिया । इसे प्राप्त क्रिया क्रिया क्रिया हमभ्य अपर्धित क्रिया । िष्राटामाला उपार्ट्स रिक्र स्रक्र प्राप्तर र सिन्धे एक र जि जिल्ला एक मध्य । विस्वार्य स्वरह्मं स्वयः मध्य । विष्वारुट के एक विभिन्न स्वित ॥ देखेर पाठर भागारपार्वरङ ४ छ॰ राज पाजनहीर्भाम स्रोतमार्थ ०३ ०० छ मण्या) ४॰ स्रोमी 5 चिगारमा ₽<u>₢₣₿</u>₯₯₼⋒⋊₳

2९/*ෲ*. हार एस एक अटल्क्ट्र ोह सिर्म पा 300 मा कार्ल उनस् उनस्य भाष्ट<u>र्जा</u>स कार्रात जन्मकर भा 2002 मार्च बिरोटो<u>क</u>र्खचार्टन सिर्मार्क्र सक्के गात तक कि र्ठने समर्रा भा ९२२ गए मध्य प्राप्त , अर्द्ध विष्यु कि भारत होने अपने अपने अपने अपने सम्माधिक ने अपने अपने अपने भूगाधम छोटाम जीवर्रह पास्टा भाष्ट्री में स्थापियम छहुपाथीण छहुँहैद उदहद्भाधिया होटा आप राम्य

ीक्टांचीएर गारार्थ्यण प्रस्ते हर्षा^र्यण प्रस्ते एमर्स एतम् एतम् रोक्ट्रियुड वाज १२०३ इंसाधा, राददर्व प्रभव्य राज्य प्रस्ते एक दर्वत , ह्वंसद णिस गारपार्य मर्झे भारुद्धर्णादर्भाष्ट्र भार भार्य भार्यसद-भरित

'Sam ਰੱਨਵਲਾਹਲ ਹਨ ਹਨ। साथ के स्वाप्त के साथ के अपने काल के साथ स्टब्स्ट २३ स्टर्भ ीषा १२०३ तर्भ, १७ ग्रामाषा भर्म अप र ते में ५५० शिला भार प्राप्त कार प्रभिक्षपार्य १ तर्म भर्म भर्म भर्म भर्म भर्म प्रमाधिम भर्म भर्म भर्म भर्म भर्म प्रमाधिम भर्म ෂෆා්සෆ<u>ණිහ</u> හ්ච්රී සහඟ්වස ව්වාශ්සක ෂෆ්සෆ<u>ණිහ</u> ෆය -හෆ ෆාන ආදුශාභ<u>හදාණ</u> වන වාසමා සහ් සහංහෝ මාසාව විශාභ<u>න්වාග</u> ආදාරාග වන්වොග ææ\ææ? ािला ह ३२ अटल्ट्ट ोह्या ३ स्टर्स ोणा २२३.६३ क[्]<u>ला</u>स् में भारत ६ किट्ट ोणा ६२०३ र् मह्य -४० १:४२२ °ग्र गा मध्या भा भव्यामां जिल्ला करा भारत भारत भारत भारत स्थान निर्माण स्थान स्

भिष्काणार रिमर

प्रभाव संस्था अध्य प्रभाव स्थान स्थान स्थान स्थान प्रभाव अस्य स्थान स्था स्थान स्था ह रूपापुर रहे दम जिल्ल मंग्रील प्रम जिल्लामुल रिवर्ट मा ए अनुसार हस्या ॥ जिक्रमुद्ध रहार हा हिन्स हमारिक हा भिम ीणहर्द्ध भर्द एह<u>भक्</u>रण्य हिम्स प्रमान प्रमाशिक्षण्य भिम हस्त्र हिम्स प्पेरिक्<u>रिया</u> है <u>हुए</u> एदर्ज क्वेंड एसीडर्र रहभाग प्रान्तम मार्गरम स्टिलमा उत्तामारीह एक विदल्पाय प्रमाणिक प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रमाणिक प्र रहरूर पाठीम होएक रिमर ॥ रिप्पर्लपाउँ हमक र्वाभिर प्राप्ति य जात्य प्रमात स्था प्रमात स्था प्रमात स्था प्रमात स्था भूज स्थाप . अटार मधम ॥ <u>भज्</u>याच^रक दक्षण—वाज्यण कराम कराम विज्ञान स्टाम प्रभावत्व माम प्रभाव त्यान स्टाम हाम प्रभाव माम प्रभाव माम रक्र जिल्ला १३ दर्ग प्रशिचार्य हाँ जिल्ला स्वाप्त जोन-रिजन होलक मर्यम रस्त्रीभक्षेत्र रजीऽमण लिक्र रिमर्र भारत ३ पाम विषय .पाभिखापाञ्च रह्मं दर्धार ह्रीलम् ॥ भिदर्श रिजाटरियारि एरपाष्रा TOTAL TURE TO THE THE PROPERTY OF THE PROPERTY रणीगारभर जहरूर्व हरमर गामिक्य रुक्रभण रिप्र मञ्ज रोधदर्व ॥ भिदर्श हो राजात पाल्यम लाजमहीम ह्रीलम ॥ भिरदर्श राजें पाम

राभग्रेंद्र जीलभर पार्यस्य स्रोलक रदर्ज प्राभन्यसर्प्र मक्र महम्म पार्वे ४५५ स्ट्रम् ॥ दर्व देन पाना पाना । अर्थ राज्य पार्य । वर्ष पाना । मसमभद होटाम मध्यम हमग्रज्ञंद ए.टमर हामरुताह रहाम भीमम रिप्पाएडिभिटर्ग भन्तीम जिमस्त्रीम प्रायम्भ प्राप्तिर्घ जिल्ला ॥ भिदर्श भिर्ट एएग्रम गर पार्रभा र्जम ,रुरुद्र

१९४८म०१ ज्रिस्ट्रम

रि द्या एमर्थ्वतामान्त ३(एम एम र्या) ० दर्व रहेर , त्रसाद मर्ट्या व विद्याला स्थान ୦୦ ଜୁଲ ୯୯୫ ଫ୍ଟେମ୍ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ହାର ଅନ୍ତର ହେଏ ହେ ଅଧିକ ଓ ଅଧିକ ଓ ଅଧିକ ଓ ଅଧିକ ଓ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ , पाठुरेण अजदर्ज प्रधारम भारतीहत ह्यारीञदर्भक्रम भारिदर्भक्रम उदर्क <u>भन</u>्ये हे र्रन्ह्य प्रोटाजना एमन<u>पर</u> प्रायमा भर्मित , होटाजना हरमा एक माना है हिन्दू हैं है जिस्सा कि मान कि जा कि जा कि देश ह्थाक्रियार्ग एक सर्वेच प्रायाधिक हुए ग्रायाधिक हुए सर्वेभे हुए स्थाप्त स्थापिक हुए स्थापिक स्थापिक हुए स्थापिक हुए स्थापिक स्थापिक हुए स्थापिक स्थापिक हुए स्थापिक स्थापिक हुए स्थापिक हुए स्थापिक स्थापिक हुए स्थापिक स्थापिक हुए स्थापिक स्थापिक हुए स्थापिक स्थापि मर्ट्या उत्यासम्बर्धाणान्य दिन्स विभागात्रात्र ॥ विष्ठि व्याप्य उत्पन्ध मुख्यात प्राप्ति प्रयाप प्रधान क्षेत्र हे दे विष्या क्षेत्र हे हे विष्या क्षेत्र हे हे हे विष्या क्षेत्र है है ॥ ब्रियाप्यान्याध्याद्य आरापाठभ्याद्यं ट्रापाल्क्षाब्रह्म

त्रेटिणित्रष्ठ होणत्रोभणटी

प्रसिद्ध भागा एक दक्क स्टिक स्टिक क्षा प्रकार के अब स्टिक , हर्रसद टेणामण्डे ने जिल्ला है जिल पार्गार्टिषा राज्य प्रस्थान प्राचित्र हार्य हार प्राचित्र हार प्राचित्र हार प्राचित्र हार प्राचित्र हार प्राचित्र इ.ज.स.च.ता १८५८ मा १८५८ ह्रमध्यम प्रमणीभाषा, तर्र ह्यमा प्रभार प्राचित प्रता<u>भाष</u> प्रभार रमगुभिष्य रार्णे प्रायम भारति रज्य रण्डवर् भाषातिव्यभिर्म भरीठ भिरुद्धार्षा पा॰्त पा॰त हुग्र पार्धर राठपाठपा॰रापांक रुमर्जम ए<u>ष्प्रत्य</u> ॥ 'त्रमार्क्ष रुख्याक्क राष्ट्रण क्ष्य क्षित्र क्षित्र क्ष्य प्राचित्र भ्रम रमणाटाम ॥ भागात प्रधार हिंदा है है । इस अंतर्म है । दक्षेत्रम प्रशासमा वा तका विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या ॥ १४४५७ ४ हल्लाची छद्र छद्र छन्न

° अन्यार्थं सामार्थं सामार्थं

क्रम दे सामा शक्त क्रम प्रकृत १८५५ मा १६५५ मा 3 Colors as a color of the c भर्ठ भारतिया एक एम्ब्यूयर मुद्राप्त महाप्तान्य संद्र्यापित स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व हित्साण परिष्य अराजिक सम्भारत विकास मार्थिक प्रतिस्था प्रतिस्था प्रतिस्था सम्भारत विकास िणरम्य रहका मध्य ॥<u>भन्य</u>णध्याम् रहम्य रहरू ०२.२ पाप उद्धार से अध्यात स्थाप का प्रमार स्थाप ण्यारी स्टाप्शास प्राविस्वित प्रतित्व प्राविस्य विस्ति प्राविस्य विस्ति प्राविस्य प्राचित्रकार्य सभक्त हैं भारति हैं

२४२२२०२४४४३ (०)-२३+ भठमण भरुषा ०भन्नोभ वालमण ४०२२४२३ ,२४४०४४२-२२२० वामन्नोजरणभणभणभरदर्धभार ७,२०२२४४-२२२० भरमण अञ्जोठ्य जिमावालरण्य जर्मान्द